

UPSC CSE 2021 MAINS PAPER 6 JANUARY 16, 2022 MAITHILI OPTIONAL PAPER-I QUESTION PAPER
HXS-U-MTLI

मैथिली

प्रश्न-पत्र-I

(साहित्य)

समय : तीन घंटा

पूर्णाङ्क : 250

प्रश्न-पत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकें सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ

एतय दू खण्ड (Section)मे विभक्त कुल आठ प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल पाँच प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या 1 तथा प्रश्न संख्या 5 अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ तीन प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (Section)सँ कम-सँ-कम एक प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर मैथिलीमे लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो, तँ अंशतः लिखित उत्तरकें गणना कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकें अवश्य काटि दी।

MAITHILI

PAPER—I

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

**Please read each of the following instructions carefully
before attempting questions**

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द तक) : 10×5=50
 - (a) मैथिलीमे क्रियाक विशेषता
 - (b) 'फॉर्मेशन ऑफ मैथिली लैंग्वेज'क विषयवस्तुसँ परिचय
 - (c) मैथिली एवं उड़ियाक पारस्परिक उद्गम स्रोत
 - (d) भाषाक विकासक अभ्यन्तर वर्गमे 'प्रयत्न लाघव'क प्रकृति
 - (e) मैथिली व्याकरणक विकासक दिशामे पं० गोविन्द झा
2.
 - (a) तिरहुता लिपिक उद्भव एवं विकास पर टिप्पणी लिखू। 20
 - (b) ग्रिअर्सन मैथिलीक औपभाषिक विभाजन कएने छथि—परिचय कराउ। 15
 - (c) मैथिली सर्वनामक व्यापकता ओ वैशिष्ट्यक उल्लेख करू। 15
3.
 - (a) मैथिली भाषाक विकासमे संस्कृत एवं प्राकृतक महत्त्वक मूल्यांकन करू। 20
 - (b) मैथिली भाषाकें कालक्रमानुसार विभाजित करू। 15
 - (c) मध्यकालीन आर्यभाषाक विशेषताक विवेचन एवं विश्लेषण करू। 15
4.
 - (a) भारतीय आर्यभाषाक विकास-क्रमसँ परिचय कराउ। 20
 - (b) भाषाक परिवर्तनशीलताक कारण पर विचार करू। 15
 - (c) भारोपीय भाषा-परिवारक परिचय दिअ। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द तक) : 10×5=50
 - (a) मैथिलीमे सिद्धसाहित्य एवं डाकघाघ वचनावली
 - (b) वर्तमानमे मैथिलीक प्रकाशित पत्र-पत्रिका
 - (c) अनुवाद साहित्यमे चन्दा झाक योगदान
 - (d) 'कीर्तिलता'क ऐतिहासिक महत्त्व
 - (e) शंकरदेव ओ हुनक 'अंकियानाट'

6. (a) 'वर्णरत्नाकर'क विषय-वस्तु एवं महत्त्वसँ परिचय कराउ। 20
(b) विद्यापतिक लोकप्रियताक प्रमुख कारणसँ परिचय कराउ। 15
(c) मैथिली नाटकक विकासमे 'कीर्तनिजा' नाटकक योगदान पर विचार करू। 15
7. (a) मैथिली साहित्यक काल-विभाजनसँ परिचय कराउ। 20
(b) मैथिली साहित्यक विकासक पृष्ठभूमिमे 'मिथिलाक धार्मिक आ सांस्कृतिक व्यवस्था' प्रमुख रहल अछि—प्रमाणित करू। 15
(c) मैथिली पत्र-पत्रिकाक विकास पर निबंध लिखू। 15
8. (a) चन्दा झाकेँ आधुनिक मैथिली साहित्यक जनक मानल जाइत अछि—प्रमाणित करू। 20
(b) मैथिली लोकसाहित्यक उद्भव एवं विकास पर निबंध लिखू। 15
(c) उत्कृष्ट समालोचकक गुणकेँ प्रतिपादित करू। 15

★ ★ ★